वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 87 | रविवार 21 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

### यशस्वी सरपंच राज्य स्तरीय सम्मान समारोह

# जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सरपंच अहम कड़ी: मुख्यमंत्री शर्मा

## गांवों का सर्वांगीण विकास हमारी सरकार का ध्येय, 20 सरपंचों को राज्य स्तर पर किया गया सम्मानित

**जयपुर. कासं**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरपंच शासन की सबसे छोटी किंतु सबसे महत्वपूर्ण इकाई होता है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सरपंच ही धरातल पर उतारता हैं। सरपंच पूरे गांव का प्रतिनिधि होता है इसलिए उसे भेदभाव किए बिना दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ गांव के विकास के लिए कार्य कराने चाहिए। शर्मा शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में यशस्वी सरपंच राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गांवों के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले 20 सरपंचों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सरपंचों को अपनी ग्राम पंचायतों के आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए जिससे वे केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाली निधि के अलावा अपने स्तर पर भी विकास कार्य करवा सकें। गांवों में पानी, सड़क, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तो गांवों से पलायन को रोका जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में पंचायतीराज का ढांचा बहुत विस्तृत और सुदृढ़ है। राज्य में 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। हमारी सरकार पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत करने तथा गांवों के सर्वांगीण विकास पर पूरा जोर दे रही है।

### प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' से स्थानीय उत्पादों को दिया बढ़ावा

शर्मा ने कहा कि देश की आजादी के बाद बनी सरकारों ने केवल बड़े उद्योगों को बढ़ावा दिया जिससे गांव में चलने वाले लघु और कुटीर उद्योग कमजोर हुए। लेकिन वर्ष 2014 के बाद यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन और संरक्षण दिया। जिससे लघु एवं कुटीर उद्योग मजबूत हुए तथा छोटे-छोटे उद्यमियों को संबल मिला। शर्मा ने कहा कि एक सरपंच के रूप में मैनें भी गांव के विकास का सपना देखा है और गांव से मेरा जुड़ाव आज भी कम नहीं हुआ है। लोगों की आशाओं को पूरा करने और सकारात्मक बदलाव की हिम्मत जुटाने की चुनौतियों को मैंने करीब से देखा है। उन्होंने सरपंचों से आह्वान किया कि बिना किसी दबाव में आए पूर्ण निष्ठा से अपनी ग्राम पंचायत के विकास के लिए जुटे रहें। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि गांव का विकास होगा तो देश भी समृद्ध होगा। इसी तरह स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का भी गांवों के प्रति लगाव था। उन्होंने अभियान चलाकर देश के हर गांव को सड़क से जोड़ा। कार्यक्रम में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

# जैन दर्शन जीने के साथ मरने की भी कला सिखाता है: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

## विशाल शोभायात्रा के साथ मुनिश्री ने भाग्योदय तीर्थ में किया भव्य प्रवेश

## गुरु पूर्णिमा महोत्सव में देशभर के भक्त करेंगे महापूजा : विजय धुर्रा

**सागर. शाबाश इंडिया**

जीने के साथ मरने की कला जैन दर्शन सिखाता है मनुष्य पर्याय बहुत दुर्लभता से मिलीं है जीना तो तुम्हें पड़ेगा लेकिन किस तरह से जीना है यह च्वाइस तुम्हारे हाथों में है, मरना तो पड़ेगा लेकिन किस तरह से मारना है यह च्वाइस तुम्हारी है प्रकृति ने कितनी कुशलता से अपने अधिकार सुरक्षित करके हमें पुरस्कृत कर दिया, दुनिया में रहना है तो जन्म, जीवन और मरण, यह तीनों चलेंगे, इनको टालने की क्षमता तुममें नहीं है लेकिन कितनी बड़ी छूट दी, पुरस्कार दिया कि तुम तय करो कि हमें जन्म कहा, कैसे, किस गोदी में, किस देश मे, किस जाति में है, यह फैसला प्रकृति के हाथ में नहीं है, हमारे तुम्हारे हाथ में है, बस इतने से पुरुषार्थ के लिए हमें इन सब निमित्तों की जरूरत होती है उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आज प्रातः काल से ही सागर शहर की जनता का मुख मोराजी की ओर था जहां से भव्यविशाल शोभा यात्रा के रूप में भाग्योदय तीर्थ में प्रवेश कराया गया भाग्योदय तीर्थ में रविवार को मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ

अपने मंगलमय चातुर्मास की स्थापना करेंगे दोपहर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन होगा जिसमें देश के विभिन्न नगरों से पधारे भक्त गुरु चरणों की वंदना के साथ विशेष महा पूजन करेंगे इसके साथ ही गुरु महोत्सव पर अनेक कार्यक्रम होंगे इसके पहले मुनि संघ द्वारा प्रातः काल की वेला में भव्य चातुर्मास कलशों की स्थापना की गई ।

### किस तरह का जीवन जीना है इसका निर्णय आपको लेना है

धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव ने कहा कि जीवन जीने के लिए, सुबह से शाम बुलाने के लिए तुम्हें कुछ नहीं करना, सुबह हुई है तो शाम तो होगी ही उसमें हमें कुछ पुरुषार्थ नहीं करना लेकिन दिनभर की जिंदगी को हमें किस तरह से जीना है, वो फैसला हमारे हाथ में है। सुबह, शाम, दिन हमारे हाथ मे नही है लेकिन आज का दिन कैसे गुजारना है यह हमारे हाथ मे है ऐसे ही मरण के सम्बन्ध में किस तरीके से मरना है यह फैसला अपन को करना है। प्रकृति ने अधिकार दिया कि तुम अमर बनने की चेष्टा मत करना, तुम तरीका चयन कर लो-रोते हुए मरना है या हस्ते हुए, डाकू बनते हुए मरना है या साधु बनते हुए,

बेमौत मरना है या सल्लेखना समाधिपूर्वक मरना है, अंतिम श्वास में तुम क्या होकर मरना चाहते हो।

### मरने के बाद भी तुम्हारी चर्चा हो तो जीवन सार्थक है

मुनि श्री ने कहा कि सारे जगत में एक शब्द तुम्हारे हाथ में है कि जब तुम मरो तो दुनिया मे एक ही बात होना चाहिए, कौन मरा हैं, दुनिया मे चर्चा आई मुनि महाराज, आर्यिका माता, व्रती, जैनी, नगर सेठ, बाप बेटा या मरा होगा कोई क्या लेना देना है, यह जिंदगी का सबसे बड़ा अभिशाप है। हम टाइटल के साथ मरे, कोई कहे कि कौन मरा, हम ऐसे पद पर मरे जिसका सारा जगत कहे कि मेरा कोई मरा है। तुम कितनो के होके मरना चाहते हो साधु से पूछा है नीतिकारों ने कि तुम कितनों को अपना भक्त मानते हो और साधु मित्रों को अपना भक्त मानता है, साधु की 24 घंटे की साधना का मंगल वहां तक अपने आप शेयर के समान जाता है।

### साधु एक कंपनी है जिसे हर समाज में रहना है

साधु एक कंपनी है जिस समय वह समाज के बीच रहता है, जिस समय वह आहार को जाता है, जब पांडाल में प्रवचन देता है, जब साधु हाथ या आँख उठाता है इसलिए महावीर स्वामी ने साधु के लिए कहा कि किसी एक लक्ष्य को बनाकर मत जाना, जगत में जितने नमोस्तु कर रहे हो उन सबके यहां आहार करने जाना। तुम निकल पड़ो एक अनहोनी संकल्प लेकर और इसी का परिणाम है कि दिगम्बर जैन साधु एक चौके में आहार करता है और आहार देने का पुण्य उतने चौकों को लगता है जितने पड़गाहन के लिए खड़े थे साधु व चातुर्मास खेत के समान होते है, किसान खेत को हरा करने के लिए बोता है या फसल के लिए बोता है, जब फसल के लिए बोता है तो बस तुम्हारा धर्म, तुम्हारा साधु खेत है, तुम कभी इसको हरा करने के लिए नही बोना, जो कुछ भी बोना तुम खुद की फसल पाने के लिए बोना।

# नेट थिएट पर कव्वाली के रंग का सतरंगी इंद्रधनुष

## इस तरहा मेरी वफा का सिला दीजिए, जाते-जाते मुस्कुरा दीजिए

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

नेट थिएट के कार्यक्रमों की श्रंखला में आज राजस्थान के ख्यातनाम कव्वाल अख्तर अली अमजद अली ने अपने साथी कलाकारों के साथ क्या बताएं यह क्या हो गया प्यार का सामना हो गया, इस तरहा मेरी वफा का सिला दीजिए जाते-जाते मुस्कुरा दीजिए कव्वाली को बड़े ही सूफियाना अंदाज में पेश किया तो दर्शक वाह वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि उसके बाद उन्होंने इस तरह रूठ के जाने वाले गए मेरी आंखों की नींद चुरा ले गए, तेरी नजरों ने ऐसा सवार मुझे हर किसी को तेरा कहे की पुकार मुझे, और तेरे दरवाजे पे ये चिलमन देखी नहीं जाती जैसी कव्वालियों को सुना कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

इनके साथ ही कलाकारों में उस्मान अली मोहम्मद कासिम और मोहम्मद आसिफ ने अपनी पुर कशिश आवाज से महफिल में संगीतमय इंद्रधनुष मैं सतरंगी रंग भर कार्यक्रम को परवान चढ़ाया। अख्तर अली कव्वाल देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी कव्वाली से दर्शकों का दिल जीत कर राजस्थान का गौरव बढाया है। अपन सऊदी अरब, मॉरीशस और 9 महीने साउथ अफ्रीका में रहे । आपके ज्यादातर प्रोग्राम हैदराबाद में आयोजित होते हैं आप आल इंडिया रेडियो के कलाकार हैं ।

कार्यक्रम संयोजक गुलजार हुसैन और नवल डांगी, प्रकाश और कैमरा मनोज स्वामी, संगीत विनोद सागर गढ़वाल और मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू, जीवितेश शर्मा की रही ।

# विकारों से मुक्त होने पर मनुष्य सुख की प्राप्त कर सकता है: डॉ.प्रितीसुधा

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

विकारों से मुक्त होने पर ही मनुष्य जीवन मे सुख प्राप्त कर सकता है। शनिवार को पंचायती नोहरा जैन स्थानक मे प्रखंर वक्ता डॉ.प्रितीसुधा ने सैकड़ों श्रध्दालुओं को चातुर्मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चातुर्मास तभी यादगार और सफल बन सकता है आप अपने विकारो राग द्वेष को छोड़कर साधना मे तल्लीन होकर धर्म आराधना करने पर ही चातुर्मास सार्थक हो बन सकता है मात्र धर्मसभा मे आने से कुछ नहीं होता है भीतर के विकारों को दूर करने से मानसिक शांति और स्थायी सुख की प्राप्ति होती है। इसके लिए आत्म-चिंतन, ध्यान, और मयार्दा मे रहकर साधना करने पर ही मन के विकारों से छुटकारा प्राप्त कर सकते है साध्वी मधुसुधा ने कहा कि चातुर्मास को.सफल बनाना है अपनी आदतों को बदले और जीवन मे धर्म को धारण करे । इसदौरान धर्मसभा श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी, महामंत्री रोशनलाल जैन, दिनेश हिंगड़ कांतिलाल जैन, शंकरलाल डांगी, लक्ष्मीलाल वीरवाल, दिनेश चौरड़िया, रमेश खोखावत, राजेन्द्र खोखावत, महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सिरोया,पुष्पा खोखावत,संतोष जैन आदि सभी ने गुरुदर्शनाथ पधारे अतिथियों का सोल माला पहनाकर स्वागत किया। प्रवक्ता निलिष्का जैन बताया नियमित प्रवचन प्रातः 9:00 से 10:00 तक दोहपर प्रतियोगिता और साध्वी वृंद से ज्ञान चर्चा और शायकाल प्रतिक्रमण आदि कार्यक्रम प्रतिदिवस पंचायती नोहरा में रहेंगे। -**प्रवक्ता निलिष्का जैन**

## राजस्थान कॉरपेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न

### संदीप कटारिया निर्विरोध अध्यक्ष, राजेश अग्रवाल मानद सचिव, आजीविका के लिए ग्रामीणों को देंगे प्रशिक्षण : कटारिया

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** राजस्थान कॉरपेट मैन्यूफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन की वर्ष 2024-2026 कार्यकारिणी समिति के चुनाव आज सम्पन्न हुए। इस चुनाव में संदीप कटारिया अध्यक्ष व राजेश कुमार अग्रवाल मानद सचिव चुने गए। इनके अलावा सुलेश कुमार जैन उपाध्यक्ष, गिरवर सिंह कोषाध्यक्ष, राम अग्रवाल, विकास गुप्ता व अंकित सिघवी को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कटारिया ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि वे एसोसिएशन के स्तर पर कॉरपेट उद्योग की समस्याओं के निराकरण में सदैव तत्पर रहेंगें। मानद सचिव राजेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि वे एसोसिएशन के सभी सदस्यों को साथ लेकर कॉरपेट उद्योग के विकास के लिए उन नीतियों का निर्माण करेगें जिनसे कि निर्यात में वृद्धि होगी। कटारिया ने राजस्थान कॉरपेट उद्योग को विश्व मानचित्र पर ले जाने की कटिबद्धता प्रकट की एंव साथ ही वे राजस्थान कॉरपेट उद्योग को नई बुलन्दियों पर ले जाने में कोई कसर नही छोड़ेंगे। कटारिया ने बताया कि उद्योग एंव रोजगार गांवों की ओर के तहत हमारा प्रयास रहेगा कि ग्रामीण इलाकों में हम गलीचा प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करें ताकि गांवों में ही ग्रामीणों को उचित आजिविका के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध हो सके एंव ग्रामीणो को शहरों की ओर पलायन नही करना पडे। सभी कार्यकारी सदस्यों ने नए पदाधिकारियों से अपना पूर्ण विश्वास व्यक्त किया और कहा कि वे हर स्तर पर अपना सक्रिय सहयोग देंगें।

## गुलाबीनगर ग्रुप का मानव सेवार्थ कार्यक्रम

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के मानव सेवार्थ पखवाड़ा के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा शनिवार दिनांक 20 जुलाई 2024 को श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय में 100 बालिकाओं को भोजन कराया। छात्रावास में 200 छात्राये है जिनमे 100 छात्राये धार्मिक यात्रा पर गई है। बालिका आवासीय की अधिष्ठात्रि श्रीमती शीला डोडया, निर्देशक श्रीमती वंदना जैन व व्यवस्थापक श्रीमती ज्ञानमती जी है। आज के प्रोग्राम में अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील सुमन बज, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, सहसचिव राजेन्द्र मंजू छारेड़ा,श्रीमती गुणमाला गंगवाल,श्रीमती शांति पांड्या व श्री नरेन्द्र कासलीवाल ने भाग लिया। संस्था का मूल उद्देश्य भटकते हुये इस भौतिक युग मे घर परिवार को संस्कारित करने वाली संस्कारवती विदुषियों को तैयार करना है।

## वेद ज्ञान

# परिश्रम के बगैर जीवन व्यर्थ

परिश्रम के बगैर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है। परिश्रम किए बिना मनुष्य को भोजन भी नहीं करना चाहिए वरना वह बीमार पड़ जाएगा। एक कहानी के अनुसार एक राजा वैभवपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहा था, लेकिन इसके बावजूद उसे लगता था कि वह बीमार है। ऐसे में जो भी डॉक्टर उससे यह कहता कि वह स्वस्थ है, वह उसी को फांसी पर चढ़ाने का आदेश दे देता। अंत में एक डॉक्टर ने राजा से कहा कि आप तो गंभीर रूप से बीमार हैं। यह सुनकर वह खुशी से उछल पड़ा और बोला, यह बताओ कि मुझे क्या बीमारी है। डॉक्टर ने कहा कि आपको एक रहस्यमयी बीमारी है और इसका इलाज यही है कि आप एक दिन के लिए किसी सुखी और प्रसन्न व्यक्ति की कमीज पहनें, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी राजा के सैनिकों को कोई प्रसन्न व्यक्ति नहीं मिला। राजा को जब यह बात मालूम हुई कि उसके राज्य में लगभग सभी दुखी हैं तो वह काफी विचलित हुआ। खैर एक दिन सैनिकों ने देखा कि एक व्यक्ति अपनी ही धुन में खोया हुआ गाना गाते हुए अपने खेत में काम कर रहा है। सैनिकों ने उससे पूछा कि क्या वह अपने जीवन से प्रसन्न है? उस व्यक्ति ने जब इसका उत्तर हां कहकर दिया तो सैनिकों को बहुत खुशी हुई और वे बोले कि क्या वह एक दिन के लिए अपनी कमीज राजा को दे सकता है। इस पर वह व्यक्ति बोला, मैं राजा को अपनी कमीज दे देता, लेकिन मेरे पास तो इसके अलावा दूसरी कमीज ही नहीं है। अगले दिन जब राजा उससे मिलने के लिए अपने महल से बाहर निकला तो चिड़ियों की चहचहाहट, स्वच्छ वातावरण व नए-नए चेहरों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा और वह अपने आपको स्वस्थ महसूस करने लगा। कहने का सार यही है कि प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों का उपयोग वही व्यक्ति कर सकता है जो परिश्रम में विश्वास रखता है। गीता में भी श्रीकृष्ण परिश्रम का महत्व बताते हुए अर्जुन से कहते हैं कि परिश्रम ही मनुष्य की वास्तविक पूजा-अर्चना है। इसके बिना मनुष्य का सुखी-समृद्ध होना अत्यंत कठिन है। जो व्यक्ति परिश्रम नहीं करता और वह कर्महीन और आलसी है। वह हमेशा दुखी व बीमार और दूसरों पर निर्भर रहता है।

## संपादकीय

# माइक्रोसॉफ्ट ने हिला दिया दुनिया को...

शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आई गड़बड़ी से पूरी दुनिया हलकान रही। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था खासा प्रभावित हुई और विमान सेवाओं, बैंकिंग सिस्टम व शेयर बाजार पर इसका काफी असर पड़ा। कई कंपनियों में काम-काज पूरी तरह से ठप हो गए। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में आई यह समस्या क्राउडस्ट्राइक की वजह से आई, जो इससे जुड़ी एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी है। शुरूआती ह्यआशंका यही थी कि यह कोई साइबर हमला है,

मगर बाद में साफ हो गया कि यह तकनीकी गड़बड़ियों का नतीजा है। दरअसल, क्राउडस्ट्राइक ने एक अपडेट किया, जिसके बाद से ही दुनिया में जहां-तहां माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सपोर्ट वाले अधिकतर उपकरण बैठने लगे। सवाल है, आखिर ऐसा कैसे हुआ? क्या माइक्रोसॉफ्ट की सेवा लेने वाली कंपनियां ऐसे हालात के लिए तैयार नहीं थीं? अगर थीं, तो उस तैयारी को अमल में लाने में इतना वक्त कैसे लगा? इस पूरे घटनाक्रम को कई पहलुओं से देखना होगा। निस्संदेह, ऐसा किसी कंपनी के साथ हो सकता है, क्योंकि प्रौद्योगिकी की दुनिया में तकनीकी चूक की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। मगर चूंकि माइक्रोसॉफ्ट एक भरोसेमंद वैश्विक ऑपरेटिंग सिस्टम है और अनगिन कंपनियां उस पर निर्भर हैं, इसलिए इस पूरे मामले में उसकी जिम्मेदारी कहीं अधिक बन जाती है। बड़ी-बड़ी कंपनियों का अपने साथ छोटी-छोटी दूसरी कंपनियों को रखना आम बात है। माइक्रोसॉफ्ट ने भी यही किया और क्राउडस्ट्राइक को अपने साथ जोड़ा। सवाल यह है कि आपात स्थिति या आपदा जैसे हालात में मुश्किलें पैदा होने पर 'बिजनेस कॉन्टिन्यूटी प्लान' (बीसीपी) पर कितना ध्यान दिया गया? यह सवाल माइक्रोसॉफ्ट से भी उतना ही जुड़ा है, जितना उन कंपनियों से, जो इसकी सेवाएं ले रही हैं। बीसीपी असल में एक 'बैकअप प्लान' होता है, जिसमें प्रतिकूल हालात में भी कंपनी की सेवा बहाल रखने के जरूरी दिशा-निर्देश होते हैं। कंपनियां यह योजना तैयार रखती हैं, ताकि उनके काम पर असर न पड़े। माइक्रोसॉफ्ट के पास भी योजना होगी ही। मगर जब तक अपनी क्लाइंट कंपनियों की वह मदद कर पाती, तब तक देर हो चुकी थी। स्पष्ट है, बीसीपी न सिर्फ मूल कंपनी को, बल्कि उसकी तमाम ग्राहक कंपनियों को भी पता होना चाहिए। इतना ही नहीं, ग्राहक कंपनियों के पास इस बाबत सारी सहायता उपलब्ध होनी चाहिए, उनके इंजीनियरों को पता होना चाहिए और उनके सभी हितधारकों तक उस प्लान की पहुंच होनी चाहिए। साफ है, शुक्रवार को इन सबमें कहीं न कहीं चूक जरूर हुई। ऐसे में, माइक्रोसॉफ्ट यह जरूर पड़ताल कर रही होगी कि वह रिस्पॉन्स टाइम (किसी समस्या पर प्रतिक्रिया देने का समय) कितना कम कर सकती है? वैसे, यह किसी ख्यात कंपनी के लिए भी उतना ही जरूरी है, जितना स्टार्ट-अप के लिए। हां, छोटी कंपनियां बीसीपी नहीं रखतीं, क्योंकि इसके लिए अलग टीम की जरूरत पड़ती है और उसे अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है।

-राकेश जैन गोदिका

## परिदृश्य

# साइबर संकट

माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में खराबी से दुनिया भर में जो संकट पैदा हुआ, उससे सबक सीखने की आवश्यकता है। जब एक साफ्टवेयर कंपनी के सर्वर में खराबी से इतनी अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ा तो इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है कि अन्य कंपनियों में एक साथ कोई खराबी आने या उनके साइबर हमले का शिकार होने पर कितनी बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में तकनीकी गड़बड़ी से भारत समेत दुनिया के कई देशों में हवाई यातायात बाधित हुआ, बैंकों का कामकाज थमा, टीवी चैनलों का प्रसारण रुका, सरकारी एवं गैर सरकारी कंपनियों के काम में खलल पड़ा और अमेरिका में तो आपातकालीन सेवाएं भी ठप पड़ गईं। फिलहाल इसका अनुमान लगाना कठिन है कि माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में खराबी आने से दुनिया को कितना अधिक नुकसान उठाने के साथ कितने लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन यह ठीक नहीं कि तकनीक पर निर्भरता ऐसी विश्वव्यापी समस्या खड़ा कर दे। यह एक विडंबना ही है कि माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में खराबी तब आई, जब साइबर सुरक्षा के उपाय किए जा रहे थे। इन उपायों ने ही साइबर सुरक्षा को संकट में डालने का काम किया। माइक्रोसाफ्ट ने कहा है कि खामी का पता लगा लिया गया है और शीघ्र ही समस्या का समाधान हो जाएगा, लेकिन माना जा रहा है कि स्थितियां सामान्य होने में दो-तीन दिन का समय लग सकता है। निश्चित रूप से आज के युग में तकनीक के बगैर किसी का काम चलने वाला नहीं है। जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक का प्रवेश हो चुका है, लेकिन समस्या यह है कि इस तकनीक पर कुछ बड़ी टेक कंपनियों का वर्चस्व है। इस वर्चस्व का लाभ उठाकर ये कंपनियां कई बार मनमानी करती हैं। कभी-कभी तो वे अपनी सेवाएं लेने वालों पर मनचाही शर्तें थोपती हैं। इससे भी खराब बात यह है

कि वे अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग नियम बनाती हैं। निजी टेक कंपनियों के वर्चस्व और उनकी मनमानी का मुकाबला करने के लिए विभिन्न देशों की सरकारों को एकजुट होना होगा। पता नहीं दुनिया के प्रमुख देश टेक कंपनियों के एकाधिकार का सामना करने और उनकी मनमानी पर लगाम लगाने के लिए एकजुट हो पाएंगे या नहीं, लेकिन कम से कम भारत को तो इस दिशा में कदम उठाने ही चाहिए। ऐसा इसलिए और भी आवश्यक है, क्योंकि यह देखने में आ चुका है कि इन कंपनियों ने भारत सरकार की ओर से बनाए गए नियम-कानूनों का पालन करने से इन्कार कर दिया। इस मामले में सोशल नेटवर्क साइट्स चलाने वाली कंपनियों का रिकार्ड तो बहुत ही खराब है। यह सही समय है कि तकनीकी क्षेत्र के भारतीय कारोबारी अमेरिका आधारित बड़ी टेक कंपनियों के एकाधिकार का सामना करने के लिए आगे आएं-ठीक वैसे ही, जैसे हाल में ओला कैब्स के भाविश अग्रवाल गूगल मैप्स के खिलाफ आए।

# राजस्थान क्षेत्रीय प्रचारक ने किया दिव्यांग सेवा केंद्र का अवलोकन

**प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। राजस्थान क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने सक्षम दिव्यांग सेवा केंद्र का अवलोकन कर एवम केंद्र को कई सुझाव भी दिए। प्रांत कार्यवाह डॉक्टर शंकर लाल माली एवं सक्षम के प्रांत अध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा ने निंबाराम का दुपट्टा, माला पहना कर स्वागत किया। प्रांत सचिव चैतन्य प्रकाश पारीक ने बताया कि दिव्यांग सक्षम के दिव्यांग सेवा केंद्र भीलवाड़ा में संचालित निःशुल्क फिजियोथैरेपी, ई मित्र सेवा, रात्रि विश्राम एवम वाहन सहित 5 निशुल्क सेवाएं एवम दिव्यांगों को दी जाने वाली निःशुल्क सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। प्रांत कोषाध्यक्ष जगदीश चंद्र बांगड़ ने फिजियोथैरेपी उपकरण हेतु 22000 रुपए की सहयोग राशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के संगठन मंत्री कमल कुमार (प्रचारक), भीलवाड़ा विभाग प्रचारक दीपक कुमार, भीलवाड़ा सक्षम दिव्यांग सेवा केंद्र अध्यक्ष सुभाष जैन, राजेंद्र कुमार पारीक आदि उपस्थित थे।

# मुनि श्री समत्व सागर महाराज के चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना आज कीर्ति नगर जैन मंदिर में

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज व परम पूज्य मुनिश्री 108 शील सागर जी महाराज के चातुर्मास 'मंथन' वर्षायोग जयपुर के मंगल कलश की स्थापना रविवार 21जुलाई को दोपहर 1.15 बजे से टोंक रोड स्थित कीर्तिनगर जैन मंदिर में होगी। इस मौके पर पूजा-अर्चना के अलावा चित्र अनावरण,दीप प्रज्जलन सहित कई धार्मिक आयोजन होंगे। इस मौके जयपुर के अलावा देश के विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु आएंगे जो इस अनुपममयी दृष्य के सहभागी बनेंगे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन मटरू व मंत्री जगदीश चन्द जैन ने बताया कि इस मौके पर साजों के साथ पूजन,गुरुभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस मौके पर मुनिश्री आगमोक्त चातुर्मास क्यों होता है,उसके महत्व पर प्रकाश डालेंगे। प्रचार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि अगले दिन 22 जुलाई को सुबह 7.30 बजे मंदिर प्रांगण में राजस्थान जैन सभा के बैनर तले वीर शासन जयंती समारोह मनाया जाएगा। इस मौके पर मुनिश्री वीर शासन जयंती पर विशेष प्रवचन करेंगे।

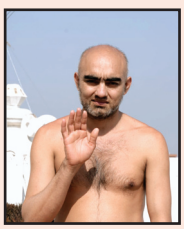

# श्री दिगंबर जैन समाज समिति, शास्त्रीनगर के कार्यकारणी के चुनाव संपन्न हुए

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री दिगंबर जैन मंदिर, शास्त्रीनगर के कार्यकारणी के चुनाव संपन्न हुए। नवीन कार्यकारणी में अध्यक्ष पद पर निर्मल कटारिया एवं महामंत्री पद पर प्रदीप काला निर्विरोध चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर अनिल हरसौरा एवं जिनेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष त्रिलोक चंद लुहाड़िया, सहमंत्री संजय गंगवाल, भण्डार प्रभारी चन्द्रभान भौच, जैन भवन प्रभारी अभिषेक लुहाड़िया एवं सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती मधु जैन को निर्विरोध चुना गया। साथ ही सर्वसम्मति से पवन पाटनी, विजय ठोलिया एवं चन्द्र प्रकाश बेगस्या को मुख्य सलाहकार बनाया गया। समस्त सदस्यगण श्रीमती मंजू जैन, धर्म चन्द जैन, कमलेश काला, अरुण गंगवाल,प्रद्युम्न जैन, संतोष जैन,विनोद गंगवाल, मनीष भौसा एवं राजकुमार रांवका ने अपनी सहमति प्रदान करी।

# श्री महावीर कॉलेज में 'आरंभ- 2024' से किया नए विद्यार्थियों का स्वागत

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** नए विद्यार्थियों का स्वागत करने हेतु श्री महावीर कॉलेज में शनिवार दिनांक 20 जुलाई 2024 को महावीर सभागार में ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'आरंभ' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर सतीश बत्रा, प्रोफेसर अमला बत्रा, प्रोफेसर एन डी माथुर, महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, सचिव सुनील बख्शी,संयुक्त मंत्री कमलबाबू जैन, राजेन्द्र बिलाला, भानु छाबड़ा, कॉलेज कन्वीनर सी ए प्रमोद पाटनी एवं शिक्षा परिषद के अन्य गणमान्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। मुख्य अतिथी प्रोफेसर सतीश बत्रा, प्रोफेसर अमला बत्रा, प्रोफेसर एन डी माथुर का स्वागत तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर कर किया गया। कॉलेज प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने नये विद्यार्थियों को महाविद्यालय की उपलब्धियों, शैक्षणिक गतिविधियों, परिसर, समस्त स्टाफ तथा कॉलेज के विभिन्न क्लब्स जैसे टैक्नो, स्पोर्टस, कल्चरल लिटरेरी और कॉर्पोरेट रिसोर्स सैल से अवगत कराया एवं उन्हें इन क्लब्स की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने नव आगंतुक विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी एवं उन्हें आगामी तीन वर्षों का भरपूर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि प्रोफेसर सतीश बत्रा ने अपने अभिभाषण में सफलता, प्रसन्नता एवं नैतिकता को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर अमला बत्रा ने नए विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्व समझाया एवं प्रतिदिन कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रोफेसर एन डी माथुर ने हेल्थ, वेल्थ, विजडम को आधारभूत मानकर विद्यार्थियो को जीवन में पढ़ाई के साथ साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज कन्वीनर सी ए प्रमोद पाटनी ने अपने अभिभाषण से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

**रिपोर्ट कॉलेज प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता**

# पवन जैन पदमावत को मैग्निफिसेंस ग्लोरियस अवार्ड 2.0 से नवाजा

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा गत दिवस महाराष्ट्र राज्य के उल्हासनगर में हुए समागम में संस्था के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता एवं राष्ट्रीय महासचिव अभिजीत राणे व भारतीय हास्य अभिनेता एहसान कुरैशी ने पवन जैन पदमावत को शॉल ओढ़ाकर व मैग्निफिसेंस ग्लोरियस अवार्ड 2.0 देकर किया सम्मानित। पवन जैन पदमावत यूं तो भारत देशवासियों के लिए कतई अपरिचित नहीं है। लेकिन पवन जैन पदमावत का एक ऐसा मानवीय चेहरा भी है जो सबके लिए किसी भी प्रकार के बिना भेदभाव से कार्य करते है। नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता ने कहा नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के मास मीडिया एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रभारी एवं पदमावत मीडिया के प्रधान सम्पादक पवन जैन पदमावत यूं तो भारत के जन-जन के लाडले जुझारू ऊजार्वान के नाम से जाने जाते हैं। पदमावत ने छोटी सी उम्र में महाराष्ट्र एवं राजस्थान सहित अन्य राज्यों में इन्होंने अपनी सेवा देकर एक कीर्तिमान बनाया है। इन्होंने हर कार्य पूरी निष्ठा से किए हैं। नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के छठे स्थापना दिवस समरोह में संपूर्ण भारत देश से कई समाज सेवक एवं पुलिस अधिकारीयों ने भी भाग लिया। नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित गुप्ता ने समागम में सभी अतिथियों का स्वागत किया। पवन जैन पदमावत ने नेशनल ह्यूमन राइट्स एंटी क्राइम एंड एंटी करप्शन ब्यूरो का धन्यवाद करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार हमारे रीति-रिवाज, धर्म के साथ-साथ हमारे दैनिक जीवन को भी खराब कर रहा है। हमारा देश उनमें से एक है जो इस वायरस से गंभीर रूप से संक्रमित है। प्रत्येक मनुष्य भारतीय संविधान के अनुसार अपना जीवन जीने में असहाय है। उन्होंने कहा कि संस्था भष्ट्राचार को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। हम अपनी टीम बना रहे हैं और हर इंसान तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं ताकि उनकी समस्याओं को समझ सकें और समाधान भी प्रदान कर सकें।

# बरसात की कामना को लेकर भक्तामर अनुष्ठान किया

**निवाई. शाबाश इंडिया**

नेशनल हाईवे पहाड़ी गांव स्थित एल एम इण्डस्टीज कार्यालय परिसर में बरसात की कामना को लेकर हवन यज्ञ किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तामर अनुष्ठान में भाग लिया। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि जैन संत अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित बरसात की कामना एवं विश्व में शांति की कामना को लेकर भक्तामर अनुष्ठान किया गया । जौंला ने बताया कि भक्तामर अनुष्ठान में मंगल कलश स्थापना करने का सौभाग्य मूलचंद त्रिलोक चंद लाड़ देवी अनिता जैन रेशु जैन शेफाली जैन टीना जैन ने किया। राकेश संधी ने बताया कि इसके बाद श्रद्धालुओं ने अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना कर विश्व शांति महायज्ञ में पूजार्थियो ने हवन कुण्डो में आहुतियां दी। इस दौरान मुनि अनुसरण सागर महाराज ने उपस्थित धर्म समुदाय को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सुनील भाणजा महावीर प्रसाद छाबड़ा चिन्टू जैन बंटी जैन आशु जैन पांडया हितेश छाबड़ा अक्षांत जैन पप्पूलाल जैन सोहेला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

# उपाध्याय मुनि श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह आज 21 जुलाई को

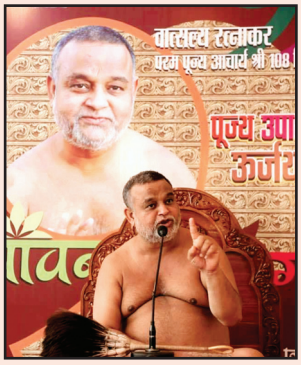


**जयपुर. शाबाश इंडिया।** प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में वर्षायोग करने जा रहे उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 21जुलाई को प्रातः 9 बजे से सामुदायिक केंद्र सेक्टर 11 में भव्य आयोजन के साथ होने जा रहा है । समिति के महामंत्री महेंद्र जैन पचाला ने बताया कि समारोह की तैयारियां शुरू हो चुकी है इस अवसर पर मंदिर जी को सजाया गया है और मंदिर से आयोजन स्थल के मार्ग में जगह जगह स्वागत द्वार बनाए गए है भव्य पांडाल और मंच का निर्माण हो चुका है। समिति के अध्यक्ष कमलेश बावड़ी ने बताया कि समारोह में संपूर्ण भारत से उपाध्याय श्री के भक्तो के आने की संभावना को देखते हुए माकूल व्यवस्था को अंजाम दिया गया है इस अवसर पर चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण, उपाध्याय श्री के पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट सहित 51 मंगल कलशो की स्थापना की जाएगी, कार्यक्रम का संचालन पंडित सुरेंद्र कुमार सलूंबर करेंगे वही कार्यक्रम को प्रीति जैन जबलपुर द्वारा संगीतमय बनाया जाएगा।

# भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है अष्टन्हिका पर्व

**शरद जैन सुधांशु। शाबाश इंडिया।**

**लाडनूं।** स्थानीय श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्टानिका पर्व के पांचवें दिन जैन समाज के लोगों ने हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव के साथ मना रहे हैं। जैन समाज के मंत्री विकास पांड्या ने जानकारी देते हुए कहा कि इस पावन पर्व पर जैन समाज के लोगों द्वारा प्रातः श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा विधि विधान पूर्वक आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दोपहर में पंचमेरू, नंदीश्वर द्वीप विधान की पूजा उत्साह पूर्वक आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस अनुष्ठान के पांचवें दिन भी जैन समाज के लोगों ने उत्साह के साथ सम्मिलित होकर श्रीजी की आराधना कर पुण्यार्जन किया। उप मंत्री अंकुश सेठी ने जानकारी देते हुए कहा कि इस अनुष्ठान में नरेंद्र कासलीवाल, प्रकाश पांड्या, दीपक अंकुर चूड़ीवाल, आकर्श जैन, विजय जैन सागर, विशाल सेठी, अनुराग सेठी, रजनीश मच्छी, बाबूलाल सेठी, एवं महिला वर्ग में सुशीला कासलीवाल, अंजना पांड्या, पुष्पा बागड़ा, सुमन कासलीवाल, चंदा कासलीवाल, पुष्पा सेठी, शारदा गंगवाल आदि प्रमुख लोग हिस्सा ले रहे हैं।

# अष्टान्हिका महापर्व-जिनवाणी तथा नंदीश्वर द्वीप की हुई पूजन

## रथयात्रा के साथ सिद्धचक्र महामण्डल विधान का समापन आज

**सनावद. शाबाश इंडिया।** पूज्य आर्यिका सरस्वती माता जी संघ के सानिध्य में पावन पर्व अष्टान्हिका में समाजसेवी हेमचद भूच तथा मंजुला भूच द्वारा कराये जा रहे बृहद सिद्धचक्र महामण्डल विधान की अष्ट दिवसीय पूजन के समापन पर रविवार को जैन धर्मशाला से भगवान सुपार्श्वनाथ, भगवान शीतलनाथ, भगवान पार्श्वनाथ स्वामी को रथ में विराजमान कर रथ यात्रा निकाली जाएगी। जो सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान के अभिषेक, शांतिधारा के साथ संपन्न होगी। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती एवं धीरेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि शनिवार को प्रातः 6 बजे जयपुर से पधारे डॉ. प्रमोद जैन, डिंपल जैन, ललित जैन, सुनीति जैन द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद सौधर्म इंद्र बने कमलेश भूच, अजयशाह बड़नगर, संतोष बाकलीवाल, सत्येंद्र जैन ने विश्व शांति की भावना को लेकर बृहद शांतिधारा की। नवदेवता, जिनवाणी तथा नंदीश्वर द्वीप की पूजन तथा सिद्धचक्र पूजन में वर्णित भगवान अरहंत देव के 1008 नामों के गुणों का गुणगान करते हुए 1024 अर्घ्य मण्डल पर समर्पित किये। अष्ट दिवसीय पूजन में मण्डल पर अर्घ्य समर्पण की प्रक्रिया में राजेन्द्र हीरामणि भूच, टीकमचंद भूच, ज्ञानचंद भूच , शरद जैन, शरद पाटनी, संजय जैन, नितेश सेठी, धर्मचंद गोधा, कैलाशचद बाकलीवाल, अशोक अजमेरा , योगेश सोनी, मनोज बड़जात्या, सुधीर गोधा, अनिल भूच, सुनील भूच, प्रकाश पाटनी, राजेन्द्र काला, प्रमोद सोनी ने सपत्नीक इंद्र इंद्राणी बनकर दोपहर तक पूजन में भाग लेकर मण्डल पर आठ दिनों में 2040 अर्घ्य तथा श्रीफल चढ़ाकर सिद्ध के नाम का जाप जपता रहूं, पाप का नाश में नित्य करता रहूँ की भावना से सिद्ध परमात्मा की पूजा अर्चना की।

# पर्यावरण जागरूकता के तहत पेड़-पौधे लगाए गए

**अजबार. शाबाश इंडिया।** शहीद लाल सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अजबार और भारती एयरटेल फाउंडेशन के क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत में पर्यावरण जागरूकता के ऊपर सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में जानकारी दी गई । इको क्लब के तहत प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया और इन पौधों की देखभाल के लिए शपथ ली। प्रार्थना सभा में छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा कविताएं सुनाई गई और लघु नाटकों के द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधों को लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। प्रधानाध्यापक चोलाराम धांधू ने इको क्लब के विद्यार्थियों द्वारा आज की गतिविधियों में जो लीडरशिप दिखाई गई उसके लिए विद्यार्थियों की काफी प्रशंसा की और निरंतर सभी गतिविधियों में ऐसे ही विद्यार्थियों में जिम्मेदारी लेने का एहसास उत्पन्न हो सके। **विशेषतः** धमार्राम मेघवाल, सवाई सिंह, मुकेश कुमार मीना, राकेश कुमार सैनी, श्याम लाल बैरवा, भूपेंद्र कुमार, दीपक पटेल, सत्यपाल यादव, राकेश कुमार मीना व दौलत राम ने स्लोगन से लिखी तख्तियों के माध्यम से इस पर्यावरण जागरूकता में काफी उत्प्रेरक का काम किया।

पापा मम्मी

श्री पूनम जी- श्रीमती अनिता जी जैन ठोलीया

को 36 वी वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक शुभकामनाएं एवम बधाई

शुभेच्छु

सौरभ नमिता, वैभव दिशा ठोलीया

एवं समस्त मित्रगण एवं परिवार जन


## आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का 23वां चातुर्मास स्थापना 21 जुलाई को

### दहमी कला में होगा आयोजन

**बगरू. शाबाश इंडिया।** परम पूज्य आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का भव्य मंगल प्रवेश प्राचीन ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर, दहमीं कलां बगरू मे हो गया है। आचार्य श्री का सपना शीघ्र मंदिर निर्माण का है इसलिये आचार्य श्री ने चातुर्मास 2024 आदिनाथ भगवान के चरणों (दहमी कलां,बगरू) मे मनाना सुनिश्चित किया है। सभी समिति सदस्यों ने आचार्य श्री को चातुर्मास को मंदिर निर्माण चातुर्मास के रूप मे मनाने का निश्चय कर आचार्य को श्री फल भेट किया । इसमे महावीर पाटनी,रमेश ठोलिया ,डा विमलचंद शास्त्री,राजकुमार खंडाका,रवि गंगबाल, प्रदीप पाटनी, भागचंद बाकलीबाल, सुनील बगडा,विभोर जैन,चक्रेश जैन, सीताराम शर्मा उपसरपंच, डा शीताशु जैन जबलपुर, रूपचंद गंगवाल, सुनील कल्याणी, रविंद्र जैन, रवि जैन, पवन काला, गौरव जैन, प्रदीप पाटनी, रवि जैन,मुकेश जी बाय, प्रमोद बाकलीवाल और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। रविवार ,21 जुलाई को चातुर्मास स्थापना का कार्यक्रम प्रातः 8 बजें से रखा जायेगा।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।


सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

# बैंक ऑफ बड़ौदा के 117वें स्थापना दिवस पर छात्रों को वितरित की स्टेशनरी

**चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया**

श्री महावीर जी । स्थानीय बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा श्री महावीर जी द्वारा बैंक का 117 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा प्रबंधक अंकित कुमार शर्मा ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा के स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय नौरंगाबाद के बच्चों को निशुल्क किताब, कॉपी, स्कूल बैग, जोमेट्रिबोक्स सहित मिठाई वितरित की, इससे पूर्व मंदिर प्रबंधन श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबंधक नेमीकुमार पाटनी, विकास पाटनी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप श्री महावीर जी के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन ने वृक्षारोपण किया। इस मौके पर बैंक ऑफ बड़ौदा के सदस्यगण लक्ष्मीचंद मीना, गुलशन , भूपेंद्र , भारत शर्मा, भवानी मीणा, योगेश पाटनी आदि सभी बैंक कर्मी उपस्थित थे।

# चातुर्मास मंगल कलश स्थापना आयोजन में भाग लिया वागड के श्रद्धालुओं ने

## विज्ञान मति माताजी की शिष्याओं का आर्यिका संघ का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना संपन्न

**सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया**

**नौगामा।** बडोदिया में आर्यिका सुयशमति माताजी संघ का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना आयोजन भक्ति भाव पूर्वक किया गया । पुण्यार्जक परिवारो ने की स्थापना --- चातुर्मास समिति अध्यक्ष केसरीमल खोडणिया ने बताया कि आर्यिका संघ व प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सुयश अशोक नगर के सानिध्य में सर्व प्रथम दीपक कुमार पुत्र कांतिलाल खोडणिया परिवार ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । जिसके उपरांत ''आचार्य श्री ज्ञानसागर प्रथम कलश'' के पूण्यार्जक अमन जैन,अशोक जैन,अरविंद जैन पुत्र लक्ष्मीलाल जैन परिवार के सृष्टि जैन, आंचल जैन,सुषमा जैन, सौरभ जैन,गौरव जैन परिवार व ''आचार्य विद्यासागर'' द्वितीय कलश के पूण्यार्जक नितेश जैन,नरेन्द्र जैन पुत्र बसंतलाल जैन परिवार के अवि जैन, रक्षा जैन,वंदना जैन,कोमल जैन, अंकुश जैन परिवार ने एवं 'आचार्य कल्प विवेक सागर' तीसरा कलश विदित जैन, भुपेश जैन,राजकुमार जैन,धर्मेन्द्र जैन पुत्र जीतमल जैन परिवार के विमला देवी जैन ज्योति जैन, शमीर्ला जैन,शीला जैन, निराली जैन,पलक जैन निहार इन सभी परिवारजनों ने तीनो कलशो की स्थापना करने का सौभाग्य प्राप्त किया । संचालन प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सुयश अशोक नगर व आशिष भैया तलाटी ने संयुक्त रूप से किया।

जिनवाणी भेंट आर्यिका संघ को गांधी रितेश जैन, पंकज जैन पुत्र केसरीमल जैन कलिंजरा,दोसी रतनपाल जैन पुत्र मोतीलाल जैन कलिंजरा,महिला मंडल बडोदिया व मोहित, हेमेन्द्र तलाटी पुत्र रमेश चंद्र तलाटी परिवार व सागर एमपी से पधारे दयोदय गौ सेवा संघ के अध्यरक्ष वीरेन्द्र जैन ने जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया । वागड के अलावा देश भर के कई नगरो से आए श्रद्धालुओं का जैन समाज बडोदिया ने पगडी पहनाकर स्वागत किया ।

### बड़े पुण्य से चातुर्मास मिला है तो धर्म का अर्जन करो

आर्यिका सुयशमति माताजी ने कहा कि बडोदिया वालो ने चातुर्मास के लिए बडी माताजी आर्यिका विज्ञानमति माताजी से बार बार निवेदन किया तथा बार बार श्रीफल ही नहीं चढाया बल्कि अपने आंखों के आंसुओं से इन्होंने बड़ी माता जी के श्री चरणों का प्रक्षालन किया इसी का परिणाम है कि आज आसाढ शुक्ल चतुर्दशी से कार्तिक कृष्ण अमावस्या दीपावली तक के लिए हम तीनो आर्यिकाओं का इस नगर में प्रवास रहेगा उसके लिए हमने भक्ति कर ली है ।अब तो श्रावको को चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर दिन में तीन बार लगने वाली धार्मिक कक्षाओं में भाग ले तथा ज्ञानार्जन प्राप्त करे । इस दौरान आर्यिका रजतमति माताजी ने कहा कि जैसा उत्सोह मंगल प्रवेश में व मंगल कलश स्थापना में दिखाया है वैसा ही उत्साह चार माह तक सभी को धार्मिक कक्षा में भाग लेकर दिखाना है।

# सखी गुलाबी नगरी ने "एक पौधा मां के नाम की तर्ज" पर पौधों का वितरण किया



**जयपुर. शाबाश इंडिया**

सखी गुलाबी नगरी की सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की होने वाले 31 जुलाई के आगामी कार्यक्रम की मीटिंग होटल सावी में रखी गई। जिसमे लहरिया थीम पर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम को अधिक आकर्षक बनाने के लिए सभी सदस्यों के सुझाव लिए गए। संस्था की अध्यक्ष सारिका जैन और सचिव स्वाति जैन ने सभी सदस्यों को एक पौधा मां के नाम की तर्ज.पर वितरित किया गया। जिसको अपने घरों पर लगाने एवं उनकी रक्षा करने का संकल्प सभी सदस्यों द्वारा लिया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वादिष्ट खाने का लुत्फ उठाया।कार्यक्रम में कमेटी के अधिकांश सदस्यों की उपस्थिति रही।

## गुरु के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने का पर्व गुरु पूर्णिमा

पुरातन काल से ही गुरु की महिमा अनुपम, अनूठी अतुलनीय व जीवन को नूतनता की ओर ले जाने वाली रही है।भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान से पहले पूज्यनीय बताया गया है क्योंकि गुरु ही गोविंद को प्राप्त करने का सदमार्ग बताते हैं। वर्तमान में गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने या उनके उपकारों को याद करने के लिए जैन,बौद्ध व हिन्दू धर्म मे गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है। इस महान दिवस पर हिन्दू धर्म मे आदि गुरु ऋषि व्यास का अवतरण दिवस, बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध ने सारनाथ में अपने शिष्यों को पहला उपदेश दिया था और जैन परंपरा मे अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर ने इंद्रभूति गौतम को अपना पहला शिष्य बनाने का उल्लेख मिलता है। गुरु से पूर्व प्रत्येक जीव की प्रथम गुरु जननी अर्थात जन्म देने वाली मां होती है जो प्रसव पीड़ा सहन कर, वात्सल्य भाव पूर्वक अपनी कुक्षी से पुत्र पुत्री को जन्म देकर उन पर बहुत बड़ा उपकार करती है मां शब्द को परिभाषित करना कठिन ही नहीं अपितु अति कठिन प्रतीत होता है। इसका मुख्य कारण आप सब समझ सकते हैं कि जिसके उपकार को जीवन भर भुलाया नहीं जा सकता। उसे हम शब्दों से परिभाषित कैसे करें? मां शब्द जो की संस्कृत के मातृ शब्द से बना है एक प्रमुख किवदंती यह भी है कि यह शब्द गौ द्वारा बछड़े बछडी को जन्म देने के बाद ही उद्घाटित हुआ है। भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रन्थों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई है। गाय का बच्चा बछड़ा जब जन्म लेता है तो वह सर्वप्रथम अपने रंभाने में जो स्वर निकालता है वह मां होता है यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। मां शब्द ही अपने आप में पूर्ण है। माता शब्द में ॰मां॰ का अर्थ है ममतामयी तथा ॰ता॰ का अर्थ है तारक अर्थात तारने वाली। मां इस संसार रूपी भंवर से रक्षा करने वाली होती है। मां के स्मरण मात्र से ही एक भावभीनी सुगंध से मन का हर कोना महक उठता है। यदि विचार करें तो मां को जहां प्रथम गुरु की उपमा दी गई है वहीं पर गुरु को पूर्ण मां की उपमा दी गई है। और वहीं से यह गुरु पूर्णिमा पर्व प्रारंभ हुआ है। गुरु लौकिक जिन्हें अकादमिक या शैक्षणिक कहते व अलौकिक जिन्हें आध्यात्मिक कहते हैं जो सांसारिक शिक्षा प्रदान करें वह लौकिक और जो संसार चक्र से मुक्ति का मार्ग बताएं वह अलौकिक गुरु होते हैं। यह पर्व अपने आराध्य, पूज्य जिन्होंने हमें सद मार्ग दिखाया है।ऐसे गुरु के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने का सबसे बड़ा दिवस है गुरु पूर्णिमा का यदि संधि विच्छेद करें तो गुरु+ पूर्ण + मां अर्थात गुरु पूर्णिमा जिस प्रकार पूनम का चांद स्वयं में पूर्ण व बृहद होता है। तन- मन दोनों को शीतलता प्रदान करता है। उसी प्रकार गुरु भी हमें बुराइयों से निकालकर अच्छाइयों की ओर ले जाते हैं अर्थात हमारे सारे पापों को हर लेते हैं और हमें सद मार्ग रूपी शीतलता प्रदान करते हैं। वर्तमान समय में इस पर्व को मनाने की परंपरा जैन संप्रदाय के साथ-साथ सभी संप्रदायों में अब बढ़ने लगी है। एक समय था जब गुरु द्रोणाचार्य के प्रति एकलव्य ने गुरु दक्षिणा के रूप में कृतज्ञता प्रकट की थी और आज इस स्वरूप को लेकर हम सबको भी गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हुए इस पावन पर्व को मनाना चाहिए किंतु यदि हम केवल दिखावे वह होड़ (जिसे हल्की भाषा में नंबर बढ़ाना कहते हैं) की दृष्टि से इस पर्व को मना रहे हैं तो फिर सार्थकता से परे है। गुरु वचन को प्रमुखता से पालन करना चाहिए ऐसा हम कर पाते हैं या नहीं कर पाते, यह तो स्वयं ही विचार करने का विषय है। यह पर वास्तविक रूप से बड़ा ही अनूठा अद्भुत मन के विकारों को दूर कर गुरु उपकार दिवस है।

न हताश न निराश न थका हुआ हूँ,
**उम्मीद का दिया जलाए हर पल आगे बढ़ा हूँ।**
**जब भी डगमगाए कदम गुरु ने थाम लिया,**
**चुनोतियों से अटे जीवन मे बड़ी दृढ़ता से डटा हुआ हूँ।।**

संजय जैन बड़जात्या कामां,राष्ट्रीय प्रचार मंत्री धर्म जागृति संस्थान

## कैंसर जांच आपके द्वार आज

### निशुल्क जांच एवं जागरूकता शिविर आज रविवार 21 जुलाई को

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

निशुल्क जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार 21 जुलाई 2024 को प्रातः 9:00 से दोपहर 3:00 तक श्री दि. जैन मंदिर यति यशोदानंदजी, 342, चौड़ा रास्ता, जयपुर में आयोजित किया जायेगा। कैंसर जांच आपके द्वार निशुल्क जांच शिविर स्व. विद्या विनोद काला प्रणेता स्वप्नद्रष्टा एवं संस्थापक प्रबंध न्यासी भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जायेगा। जयपुर जैन सभा समिति, श्री दिगं. जैन मंदिर यति यशोदानंदजी परिवार, जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति, श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला महासभा के सहयोग एवं भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सानिध्य में यह शिविर आयोजित किया जायेगा।

### शिविर में निम्न जांचें

डॉक्टर परामर्श पर निशुल्क किया जाएगी
- मैमोग्राफी (स्तन जांच हेतु)
- पंप स्मीयर टेस्ट (गर्भाशय जांच हेतु)
- एक्स-रे (फेफड़ों की जांच हेतु)
- सीए 125 (ओवरी जांच हेतु)
- पीएसए (प्रोटेस्ट जांच हेतु)
- अन्य रक्त परीक्षण

### निम्न में से कोई भी लक्षण हो तो जांच अवश्य करवाएं

- मुंह या गले में नहीं भरने वाला छाला
- कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, आवाज में परिवर्तन
- शरीर के किसी भी भाग में गांठ
- स्तन में गांठ व आकार में परिवर्तन
- लंबे समय से खांसी या कफ में खून
- मलद्वार या मूत्रद्वार से खून आना
- शौच की आदत में परिवर्तन
- वजन का बेवजह कम होना

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
संजय जैन 9928051512

# स्नातक सम्मेलन में देशभर के विद्वानों ने कहा: आओ मिलकर करें तत्वज्ञान का प्रचार-प्रसार और

## गांधी नगर क्लब में शिलान्यास समारोह के दो दिनी कार्यक्रम शुरू

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के नवीन भवन के शिलान्यास समारोह दो दिवसीय कार्यक्रम शनिवार से को गांधी नगर क्लब में शुरू हुआ। इस आयोजन में देषभर से करीब 1हजार के आसपास विद्वान जुटे और सभी ने ह्लमेरी जिंदगी कैसी बदलीह्व विषयक स्नातक सम्मेलन में सभी ने तत्वज्ञान का ज्ञान प्रचार-प्रसार की बात करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर समाज में वृहद स्तर पर तत्वज्ञान का प्रचार-प्रसार में महता भूमिका निभाते हुए आने वाली पीढ़ी को अध्यात्म से जोड़ते हुए संस्कारवान बनाए ताकि आने वाली पीढ़ी अध्यात्म के प्रति जागरूक हो सके। इस मौके पर राजस्थान संस्कृत विवि.में जैन संकाय के डीन डॉ.शीतल प्रसाद जैन,पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल,पंडित टोडरमल स्नातक परिषद के अध्यक्ष पंडित अभय कुमार

देवलाली, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल, श्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शांति कुमार पाटील,मुंबई पं.अध्यात्म प्रकाष भारिल्ल आदि मंचासीन अतिथियों ने आज हम सभी को धर्म व अध्यात्म के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने की जरूरत है,ताकि हम सभी परिवार के साथ-साथ समाज के बच्चों की पीढ़ी को संस्कारवान बनाए जा सके। इसके लिए हम सभी का पहला कर्तव्य बनता है कि बच्चों को अधिक से मंदिरों में लाए और धर के वातावरण को अध्यात्ममय बनाने की आवष्यकता है। इन सभी वक्ताओं ने यह भी कहा कि वर्तमान व आने वाली पीढ़ी को धर्म से जोड़ने के लिए धार्मिक शिविरों,सेमिनार,डिजिटल प्लेटफार्म ज्ञानवर्धक कार्यक्रम प्रचुर मात्रा में हो ताकि आने पीढ़ी धर्म के बारे में जान सके। आज हम सभी का कर्तव्य बनता है कि अपने बच्चों को लौकिक ज्ञान के साथ अध्यात्म का भी ज्ञान दे ताकि धार्मिक शिक्षा से उनके मन का परिमार्जन हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि आम हम सभी इस स्नातक सम्मेलन से प्रण लेकर जाए कि अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर धर्म का प्रचार-प्रसार करेंग और समाज के बच्चों में अध्यात्म की भावना का ऐसा सूत्रपात करेंगे ताकि आने वाले समय में एक ऐसा समाज का निर्माण हो,जिस ज्ञान को लेकर आने वाली पीढ़ी अध्यात्म के ज्ञान की ज्योत युगों-युगो तक जला सके। मंच संचालन ,पंडित टोडरमल स्नातक परिषद के महामंत्री व ट्रस्ट के प्रबंधक पीयूष शास्त्री ने किया। इससे पूर्व सुबह सिद्धचक्र महामंडल विधान का समापन हुआ और साम भक्ति एवं शास्त्र स्वाध्याय के कार्यक्रम हुए,जिनमें काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार गोदिका व महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने बताया कि रविवार को इस सदी का ऐतिहासिक 'भव्य शिलान्यास समारोह' सम्पन्न होगा। जिसके तहत सुबह

6.45 बजे पंच तीर्थ जिनालय में पूजन, व प्रवचन के बाद सुबह 9बजे शिलान्यास सभा होगी।इसके बाद गांधी नगर क्लब से बापू नगर स्थित पंडित टोडरमल स्मारक भवन तक शोभायात्रा निकाला जाएगी। इसके बाद नए भवन का शिलान्यास होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा व विधायक कालीचरण सराफ होंगे। इस में उपस्थित प्रत्येक साधर्मी 'एक ईंट मेरी भी' अभियान में सम्मिलित हो ज्ञान के इस महायज्ञ में अपनी आहूति देगा।

# भगत पब्लिक सी.सै. स्कूल में एक वृक्ष माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

**कोटा. शाबाश इंडिया।** भगत पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में एक वृक्ष माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम के आयोजन की शुरूआत की गई, जिसकी अध्यक्षता उइएड अतिरिक्त जिला शिक्षाधिकारी तपिश विजयवर्गीय एवं उनकी टीम पदाधिकारीयो द्वारा की गई इस महोत्सव में विद्यालय के प्रबन्धक नरेश जैन, प्राचार्य आदित्य गुप्ता, पुर्व पचांयत समिति सदस्य जगदीश सुरावत जी एवं विद्यालय अध्यापक गण उपस्थित रहे तथा हर्षोल्लास के साथ हरीयालो राजस्थान का संकल्प लिया तथा प्रत्येक विद्यार्थीयो तथा अध्यापक गणो को एक वृक्ष माँ के नाम लगाने का आग्रह किया गया।


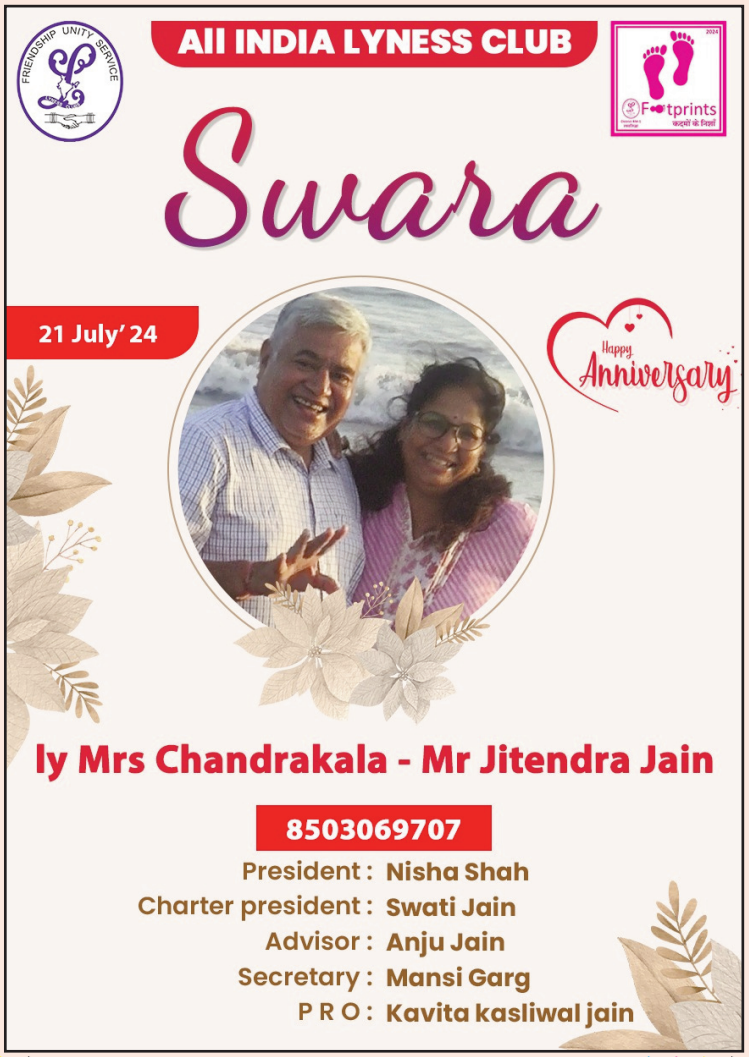

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

## जो जीवन में अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए पतित से पावन बना दे वही वास्तव में सच्चे गुरु होते हैं

# 'गुरु' ही पूर्ण 'मां' है...

पदमचंद गांधी @ 9414967294

गुरु पूर्णिमा आषाढ़ महीने की पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार है। यह एक शिक्षक और छात्र के बीच विशेष बंधन का प्रतीक भी है। इस दिन, हम अपने शिक्षकों के ज्ञान और मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति आभार और सम्मान दिखाते हैं। यह आध्यात्मिक और शैक्षणिक दोनों तरह के शिक्षकों का सम्मान करने का सर्वश्रेष्ठ दिन है। इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, जिन्होंने महाभारत लिखी थी और आज ही के दिन उन्होंने पहली बार मानव जाति को चारों वेदों का ज्ञान दिया था। इसलिए महर्षि वेदव्यास जी को प्रथम गुरु माना गया है । गुरु का जीवन में बड़ा महत्वपूर्ण स्थान होता है गुरु के बिना जीवन शुरू नहीं हो पाता है। 'गु' अर्थात अंधकार 'रू' अर्थात प्रकाश जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाएं, पतित से पावन बना देवे, नर से नारायण तीतर से तीर्थंकर बना दे वही वास्तव में सच्चा गुरु होता है। हमारे शास्त्रों पुराणों में गुरु का महत्व बनाते हुए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागूं पाय बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु ने ही गोविंद का ज्ञान करवाया है इसलिए गुरु बड़े है। कुछ भी हो जीवन में अपना एक गुरु किसी को अवश्य बनाना चाहिए ।महर्षि वेद व्यास जी की जयंती को गुरु पूर्णिमा के तौर पर हर साल बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है. महर्षि वेद व्यास ने लोगों तक ज्ञान पहुंचाने के लिए श्रीमद्भगवद गीता समेत 18 पुराणों की रचना की थी. इन पुराणों को पढ़ने से व्यक्ति को कई महत्वपूर्ण बातों का ज्ञान होता है आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन शिष्य अपने गुरुओं की पूजा-अर्चना करते हैं। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है कहा भी गया है गुरु बिन ज्ञान न उपजै, गुरु बिन मिलै न मोष। गुरु बिन लखै न सत्य को, गुरु बिन मैटैं न दोष।

प्रस्तुति
पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा राजस्थान

गुरु आर्य संस्कृति का प्राण है ' जिस आर्य संस्कृति में हम रहते हैं, जिसका ताना-बाना हम बुनते हैं वह गुरु तत्व ही है ' भारतीय संस्कृति विश्व की एक महान संस्कृति है ' जिसने विश्व को प्रकाश स्तंभ के रूप में प्रेरणा दी है तथा उसका पथ प्रदर्शित किया है ' भारतीय संस्कृति के अनुसार जीवन की शुरूआत गुरु से होती है , क्योंकि गुरु ही है जो ज्ञान को ,ध्यान को , चिंतन एवं विचारों को, देश के परिवेश को ,भक्ति एवं मुक्ति के पथ को तथा संसार सागर से पार उतारने हेतु जानने की, परखने की तथा आत्मसात करने की शक्ति एवं प्रेरणा देता है ' स्कंद पुराण के गीत' भाग में स्पष्ट किया है कि गुरु ही महिमा का प्रदाता , महिमा का संदेशवाहक, चेतना का सारथी, संस्कारों का संवाहक , प्रेम का प्रतिनिधि तथा नीति का निर्देशक होता है ' संसार में अभागा वह नहीं है जिसके पास माया नहीं, दौलत नहीं ,वैभव नहीं है ,अभागा तो वह है जिसके पास गुरु नहीं, गुरु का साया नहीं, उसकी छाया नहीं है ' ज्योतिष के अनुसार कुंडली में भी केंद्र में गुरु की दशा देखी जाती है ' यदि गुरु की दशा पावरफुल होती है तो कुंडली श्रेष्ठ मानी जाती है ' अतः स्पष्ट है गुरु शक्ति का स्रोत है, भक्ति का आधार है, तथा मुक्ति का मंत्र दाता है ' इसलिए सद्गुरु को ईश्वर का दिया हुआ वरदान भी माना गया है। गुरु ही पूर्ण मां होते हैं जो शिष्य की ममता समता एवं आध्यात्मिकता की शीतलता का अमृत पान कर'ते हैं ' गुरु करुणा के सागर एवं ममता की मूरत होते हैं ' चाणक्य नीति के अध्याय 15 श्लोक 2 में कौटिल्य ने कहा -गुरु शिष्य को सफलता की सुध' पिलाते हैं ,गुरु शिष्य को कीर्ति कलश थम'ते हैं ,गुरु शिष्य को प्रसिद्ध प्रसिद्दी की पताका फहराते हैं, गुरु शिष्य को अमरत्व की राह दिखाते हैं तथा मुक्ति की महिमा से साक्षात्कार करते हैं ' गुरु ही शिष्य को पूर्णता का ज्ञान करते हैं' इसलिए गुरु को पूर्ण मां का दर्जा दिया गया है ' आधुनिक समय में मां की ममता पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं वह अपनी ममता का गला घोट सकती है , नवजात शिशु को झाड़ियौ में फेंक सकती है, शिशु गृह एवं पालना गृह में छोड़ सकती है , उसकी ममता भरा आंचल ममता विहीन होकर तार तार भी हो सकता है लेकिन गुरु का गुरुत्व उसकी ममता ऐसा नहीं कर सकती। वेदों में कहा है भगवान की दृष्टि में सब कुछ पूर्ण है उसे अनुभव करने की आवश्यकता है ' परमात्मा पूर्ण है, गुरु परमात्मा का प्रतिनिधि होने के कारण पूर्ण है ' शिष्य जब गुरु की पूर्णता को प्राप्त करता है और जब उसे पूर्णता प्राप्त हो जाती है तो वह संसार भी उसे पूर्ण दिखाई देने लगता है ' जो कमी ,जो रिक्तता दिखाई देती है वह मात्र हमारी भ्रांति है। सद्गुरु मिलना दुर्लभ है ' वह आज भी मौजूद है लेकिन हमारे भीतर उन्हें पहचानने की दृष्टि, क्षमता एवं पात्रता नहीं है ' हमारी विडंबना है कि हम उन्हें नहीं पहचान पाते ' गुरु यदि हमें पहचान भी ले तो हमें विश्वास नहीं है, वह बौद्ध हमारे भीतर में नहीं है ' जैसे हजारों बछड़े' में गाय अपने बछड़े को पहचान लेती है तथा बछड़ा भी अपनी गाय माता को पहचान लेता है वह ज्ञान भी हमारे भीतर में नहीं है ' क्योंकि हमारे भीतर किंतु, परंतु, तो ,शायद ,कितने ही भ्रांति युक्त प्रश्न उत्पन्न हो जाते हैं, शंकाएं उत्पन्न हो जाती है ' श्रद्धा समर्पण एवं आस्था का भाव नहीं रहता ' बच्चा जब छोटा होता है जो मां कहती है हर बात मान लेता है ' कोई तर्क, वितर्क ,प्रश्न नहीं करता ' पूर्ण समर्पण भाव से आज्ञा का पालन कर लेता है ' मां कठोर होकर दंड भी देती है तो बालक सहज रूप से स्वीकार कर लेता है तथा कोमलता से पुरस्कार भी देती है तो भी प्रसन्नता से ग्रहण कर लेता है ' क्योंकि उसके लिए मां ही पूर्ण तथा श्रेष्ठ होती है ' ऐसी भावना उसकी रहती है ' ऐसी ही सरलता, समरसता , कोमल दृष्टि ,आत्मबोध ,वह आंखें, वह समझ यदि हमें भी प्राप्त हो तो गुरु के सच्चे स्वरूप को पहचान सकते हैं ,उसे समझ सकते हैं । गुरु को जानना , पहचाना एवं परखना बहुत कठिन होता है। इसके लिए गुरु को जानने की वेदना हो, पीड़ा हो, प्रश्न हो ,आकुलता हो, जिज्ञासा हो ,जैसे नरेंद्र (स्वामी विवेकानंद) के मन में रामकृष्ण परमहंस को जानने एवं समझने की थी ' क्योंकि उनकी वेदना ही जीवन की

जिज्ञासा बनी जिससे गुरु को पहचान' ' ऐसी स्थिति गुरु को जानने के लिए व्यक्ति में कुतूहल , प्रश्न और जिज्ञासा उत्पन्न करती है ' कुतूहल रोमांचित करते हुए प्रश्न उठता है और वह प्रश्न ही जिज्ञासा बनाकर उत्पन्न होता है ' यही जिज्ञासा हमारे अस्तित्व को भिगो देती है , हमारे अस्तित्व में व्याप्त हो जाती है ' उसे शांत करने के लिए व्यक्ति व अ'कुल और व्याकुल हो जाता है। इस प्रकार जब जीवन में जिज्ञासा होती है, वेदना होती है तो उस पीड़ा को हरण के लिए , जिज्ञासा के समाधान के लिए गुरु मिलते हैं और गुरु जब जान लेते हैं कि हम सुयोग्य हो गए हैं सतप'त्र हो गए हैं तभी वह मिलते हैं , अन्यथा हम गुरु के पास रहकर भी गुरु को नहीं जान पाते ' हर दिल में गुरु हो सकता है लेकिन बिरले तो वह होते हैं जो गुरु के दिल में होते हैं ' गुरु पूर्णिमा तो हर वर्ष आती है लेकिन गुरु का बोध तो जीवन में एक बार होता है जिसको प्राप्त करके शिष्य पूर्ण समर्पित होकर कृत्य कृत्य हो जाता है ' यह भाव ही पूर्णता का भाव है जिससे शिष्य अपनी पहचान बनाता है। हमारा जीवन देह तक सीमित नहीं है या हम जितना जानते हैं उतना ही नहीं है ' उसकी विशालता का अनुभव गुरु ही करता है ' गुरु हमें जीवन विद्या सीख'ते हैं जीवन को समझना एवं जीना सिखाते हैं , जीवन के सिद्धांतों से , जीवन के स्वरूप से , जीवन के तत्वों से , तथा जीवन के आधार से हमारा परिचय करते हैं ' यह सच है बुद्धि हमें ज्ञान देती है , समझ देती है फिर भी वह मात्र ज्ञान तक सीमित होती है ' लेकिन गुरु हमें अवधि ज्ञान, मन पर्याय ज्ञान तथा केवल ज्ञान तक चलना सीखते हैं जिसकी कोई सीमा नहीं होती वह असीमित होता है ' इस प्रकार गुरु का सानिध्य हमें परमात्मा का सानिध्य देता है ' इसको पाने के लिए परिष्कार ,पुरुषार्थ , पात्रता , सरलता आदि का होना जरूरी है। गुरु ही हमें हर समस्या का समाधान देते हैं ' समस्या की घड़ी में गुरु ही काम आते हैं ' गुरु ही हमारे रक्षक होते हैं , शरण देने वाले होते हैं ' नावे चाहे कितनी भी हमारे पास हो लेकिन गुरु रूपी पतवार नहीं हो तो जीवन प'र होने वाला नहीं है ' कितनी ही संपत्ति हमारे पास क्यों ना हो यदि गुरु नहीं है तो उस जैसा दरिद्र भी नहीं है ' अतः गुरु कृपा लेने की कल' भी हमें आनी चाहिए ' अतः हमें संकल्प करना है कि मुझे गौतम गंधर जैसा शिष्य बनाकर गुरु चरणों में रहना है ' गुरु के दिल में मेरा वास बने ऐसी मेरी भावना हो ' क्योंकि गुरु ही है जो गुलाब की तरह खिलना सीख'ते हैं, चंदन जैसी शीतलता भरते हैं, दीपक की तरह आलोकित करते हैं क्योंकि वे ही पूर्ण मां स्वरूप है ' इस प्रकार गुरु पूर्णिमा हमें सच्चे शिष्यत्व के विकास, पात्रता के अर्जन ,समर्पण ,विसर्जन और विलय का संदेश देती है।